डिजिटल क्षेत्र में निवेश से भारत में 13 फीसदी बढ़ा एफडीआई

न्यूयॉर्क। कोरोना महामारी के दौरान विदेशी निवेशकों का भरोसा जहां विकसित अर्थव्यवस्थाओं को लेकर डगमगाया था, वहीं भारत निवेश के लिहाज से पसंदीदा गंतव्य बना रहा। व्यापार एवं विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (अंकटाड) की रिपोर्ट के मुताबिक, 2020 के दौरान भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में 13% बढ़कर 57 अरब डॉलर (करीब 4.16 लाख करोड़ रुपये) पहुंच गया। इस दौरान अमेरिका, ब्रिटेन, इटली, जर्मनी और रूस जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में पूंजी का प्रवाह तेजी से घटा है। दक्षिण एशियाई देशों में विदेशी निवेश 10% बढ़कर 65 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि डिजिटल क्षेत्र में निवेश की बदौलत कोविड-19 महामारी के दौरान भारत में एफडीआई तेजी से बढ़ा है। वहीं, दुनिया में सर्वाधिक विदेशी निवेश चीन में आया और यहां पूंजी प्रवाह 4% बढ़कर 163 अरब डॉलर पहुंच गया। 2020 में वैश्विक विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 42% घटकर 859 अरब डॉलर रहने का अनुमान है, जो 2019 में 1.5 लाख करोड़ डॉलर था। पिछली बार इतना निचला स्तर 1990 के दशक में देखा गया था और यह गिरावट 2008-2009 के वैश्विक मंदी के मुकाबले 30% ज्यादा है। एफडीआई में गिरावट खासतौर से विकसित देशों में देखने को मिली, जहां पूंजी प्रवाह 69% घटकर 229 अरब डॉलर पर आ गया। एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट...महामारी के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था पर बढ़ा विदेशी निवेशकों का भरोसा

अमेरिका, ब्रिटेन और रूस जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं में घटा पूंजी प्रवाह

4.16 लाख करोड़ का विदेशी निवेश आया देश में 2020 के दौरान

इस साल भी गिरावट का अनुमान

2021 में भी एफडीआई में गिरावट का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक, आगे संकेत देने वाले आंकड़े मिश्रित तस्वीर दिखा रहे हैं और इसमें गिरावट को लेकर लगातार दबाव बना रहेगा। इसमें आगे कहा गया है कि महामारी के जोखिम, वैक्सीन कार्यक्रम की गति, आर्थिक राहत पैकेज, अधिकतर उभरते बाजारों की आर्थिक स्थिति और निवेश को लेकर वैश्विक नीतियां 2021 में एफडीआई को प्रभावित करेंगी।

नीतियों-सुधारों से भारत बना पसंदीदा गंतव्य : गोयल

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि सरकार की नीतियों और सुधारवादी कदमों की वजह से भारत विदेशी निवेशकों के लिए पसंदीदा गंतव्य बन गया है। यही वजह है कि पिछले साल देश में एफडीआई 13 फीसदी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में दहाई अंकों की तेजी दर्ज की गई है। यह दर विकसित अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले ज्यादा है।